(ख) इस वर्ष के दौरान कितना आम-उत्पादन होने का अनुमान है तथा निर्यात के लिए कितना लक्ष्य निर्धारित किया गया है और उससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित होने की संभावना है; और

(ग) सरकार ने गुजरात में आम का उत्पादन बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) 1993–94 के दौरान गुजरात में आम का उत्पादन 1.7 लाख मी. टन हुआ । निर्यात के राज्यवार आंकड़े नहीं रखे जाते हैं । तथापि, राज्य सरकार ने सूचित किया है कि 1993–94 के दौरान लगभग 150 मी. टन ताजे आमों और 80 मी. टन आम के गूदे का निर्यात किया गया था ।

(ख) चालू वर्ष के दौरान आम का उत्पादन 1.70 लाख मी. टन होने का अनुमान लगाया गया है । निर्यात हेतु कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं ।

(ग) सरकार ने गुजरात में आम का उत्पादन बढ़ाने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं :—

(i) राज्य सरकार आम के क्षेत्र के विस्तार के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के किसानों को 3000 रुपए प्रति हैक्टेयर तथा अन्य किसानों को 1500 रुपए प्रति हैक्टेयर की दर से सहायता दे रही है । पौध रक्षण उपायों पर भी प्रदर्शनों के रूप में 2000 रुपए प्रति हैक्टेयर की दर से सहायता दी जाती है ।

(ii) भारत सरकार भी उष्णकटिबन्धी, शुष्क एवं शीतोष्ण अंचल के फलों के समेकित विकास सम्बन्धी एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना का क्रियान्वयन कर रही है, जिसके तहत गुजरात को 104.04 लाख रुपए की कुल लागत से मौजूदा क्षेत्र का विस्तार करने, प्रदर्शनों के माध्यम से प्रौद्योगिकी के अन्तरण तथा मौजूदा फलोद्यानों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सहायता दी गई है । इसके अतिरिक्त, ड्रिप सिंचाई, नर्सरियों की स्थापना से पौद रोपण सामग्री की आपूर्ति तथा एन.एच.बी. द्वारा फसल की कटाई के बाद प्रबन्ध हेतु भी सहायता दी जाती है । जिसमें आम भी शामिल होते हैं ।

गुजरात में मूंगफली का वार्षिक उत्पादन

545. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह, मंगरोला** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में वर्ष 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के दौरान मूंगफली का कुल कितना-कितना उत्पादन हुआ ;

(ख) क्या यह सच है कि गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष मूंगफली के उत्पादन में कमी आई है ;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(घ) सरकार ने मूंगफली की पैदावार बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) गुजरात में वर्ष 1991–92 और 1992–93 के दौरान मूंगफली का कुल उत्पादन क्रमशः 6.997 और 20.684 लाख मीटरी टन होने का अनुमान है । 1993–94 के लिए रबी मूंगफली के अन्तिम अनुमान अभी राज्य से प्राप्त होने हैं । तथापि, वर्तमान अनुमानों के अनुसार, गुजरात में 1993–94 के दौरान मूंगफली का कुल उत्पादन लगभग 6.84 लाख टन होने की सम्भावना है ।

(ख) 1993–94 के दौरान मूंगफली के उत्पादन में गत वर्ष की तुलना में कमी आई है ।

(ग) वर्ष 1993–94 के दौरान मूंगफली के उत्पादन में कमी का मुख्य कारण प्रमुख मूंगफली उत्पादक राज्य

गुजरात में विशेष रूप से सौराष्ट्र क्षेत्र में कम वर्षा और प्रतिकूल मौसम परिस्थितियां हैं।

(घ) मूंगफली सहित तिलहनों के उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से, 1990–91 से एक केन्द्रीय प्रायोजित राष्ट्रीय तिलहन उत्पादन कार्यक्रम कार्यान्वित किया जा रहा है। राज सहायता के रूप में किसानों को सहायता देने के लिए योजना के प्रमुख घटक हैं :–प्रजनक बीजों की खरीद और आधारी बीजों का उत्पादन, प्रमाणित बीजों का वितरण, आदान किटों का वितरण, अवसंरचना का विकास, मूंगफली और सोयाबीन की फसलों पर "राइजोबियन कल्चर" और सूक्ष्म पोषक तत्वों का वितरण। किसानों को प्रौद्योगिकी का अन्तरण करने के उद्देश्य से, फील्ड फ्रंट लाईन प्रदर्शन और खण्ड प्रदर्शन आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के तहत घटक के रूप में किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

Gena from Amerthens Plant to be Patented

546. SHRI CHIMANBHAI MEHTA :

SHRI P. UPENDRA :

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state : whether Gena isolated from Amerthens plant by Dr. Ashis Dutt of J.N.U. is going to be patented on International Level ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : Genas have been isolated from Amerthens plants by Dr. Ashis Dutt of J.N.U. An application for international Patents has been filed with the concerned authorities.

International competition in Marketing Agro Products

547. SHRI SATISH PRADHAN : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether as a sequel to signing of GATT Agreement, the Indian farmers are likely to face stiff international competition in marketing agro products ;

(b) whether it is a fact that Indian Agriculturists are already suffering due to environmental hazards resulting in substandard production ;

(c) what steps Government proposes to take in overcoming the situation ; and

(d) whether Government propose to make changes in Curriculam in Agricultural Universities to countermand the situation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S. KRISHNA KUMAR) : (a) No, Sir.

(b) and (c) The use of chemical fertilizers and chemical pesticides is quite low in our country as compared to the developed countries. We are also promoting the use of bio-fertilizer and non-chemical means of controlling pests and diseases which are environment friendly.

(d) Does not arise.

कृषि क्षेत्र में अनुसंधान कार्य

548. श्री राम जेठमलानी : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार देश के कृषि क्षेत्र में अनुसंधान कार्य की पर्याप्त व्यवस्था कर पाने में विफल हो गई है ;

(ख) यदि हां, तो सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है ;